Page No.:
Date:

'Modern Theory of Rent' (4).

(3) पूर्ण लोच से कम पूर्ति (Less than Perfectly Elastic Supply) अथवा आंशिक विशिष्ट तथा आंशिक अविशिष्ट साधन (Partial Specific and Partial Non-Specific Factor) →

जब किसी साधन की मांग बढ़ने पर उसकी पूर्ति उस अनुपात में न बढ़कर कम अनुपात में बढ़ती है तब ऐसी स्थिति में साधन की पूर्ति को लोच पूर्ण लोच से कम होने के कारण वह साधन आंशिक विशिष्ट तथा आंशिक अविशिष्ट बन जाता है। ऐसी स्थिति में साधन की वास्तविक आय उसकी हस्तान्तरण आय से अधिक होगी तथा वास्तविक आय एवं हस्तान्तरण आय का अन्तर ही लगान होगा। साधन जिस सीमा तक दूसरे प्रयोग में मांगा जाता है उस सीमा तक वह अविशिष्ट है तथा शेष अंश में वह विशिष्ट हो जाता है। उसकी यही विशिष्टता लगान उपस्थित करती है। इसे शब्दों में "लगान विशिष्टता का पुरस्कार है।"

Scanned by CamScanner

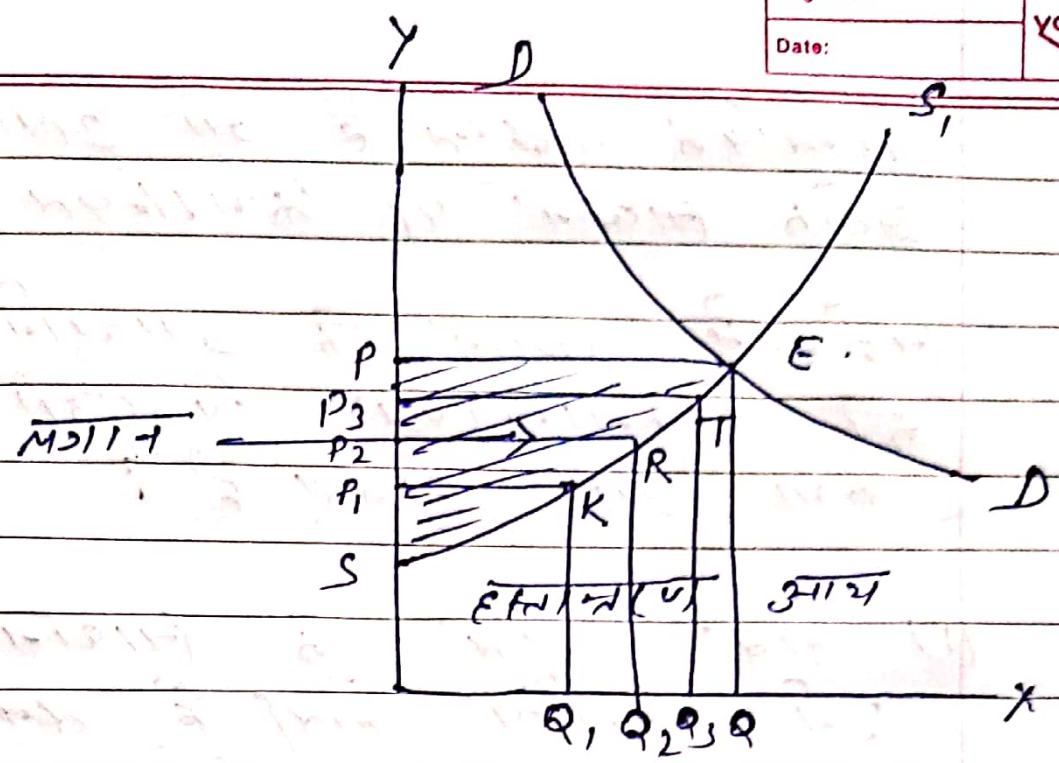

उपर्युक्त चित्र में पूर्ण लोच से कम पूर्ति वाले साधन के लिए लगान की व्याख्या की गई है।

साधन की OQ मात्रा के लिए,

हस्तान्तरण आय = OSEQ क्षेत्र

वास्तविक आय = OPEQ क्षेत्र

लगान = क्षेत्र OPEQ − क्षेत्र OSEQ

= क्षेत्र SPE

इस प्रकार उत्पत्ति का कोई भी साधन लगान प्राप्त कर सकता है यदि उस साधन की आय उसकी हस्तान्तरण आय से अधिक हो। दूसरे शब्दों में लगान का आधुनिक सिद्धान्त एक

वास्तविक सिद्धान्त है जो उत्पत्ति के प्रत्येक साधन पर क्रियान्वित होता है।

संक्षेप में लगान के आधुनिक सिद्धान्त को निम्नलिखित बिन्दुओं पर स्पष्ट किया जा सकता है।

(1) जब उत्पत्ति के साधन की पूर्ति पूर्ण बेलोच होती है तब उसकी सम्पूर्ण आय आर्थिक लगान होती है।

(2) जब उत्पत्ति के साधन पूर्ति पूर्ण लोचदार होती है तब उसकी सम्पूर्ण आय, हस्तान्तरण आय के बराबर हो जाती है। इस प्रकार इस दशा में आर्थिक लगान का कोई तत्व उपस्थित नहीं होता।

(3) जब उत्पत्ति के साधन की पूर्ति पूर्ण लोचदार से कम हो, तब उसकी आय में आर्थिक लगान सम्मिलित रहता है। पूर्ति में बेलोच का अंश जितना अधिक होगा उतना ही आर्थिक लगान अधिक होगा।

Scanned by CamScanner

(4) अर्थशास्त्र लगान का सिद्धांत केवल भूमि से ही संबंधित न होकर उत्पत्ति के प्रत्येक साधन से सम्बन्धित है। दूसरे शब्दों में, लगान का सिद्धान्त एक सामान्य सिद्धान्त है।

The End

Thank you.

Scanned by CamScanner